दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 233 ■ दमण, शुक्रवार 05, जून 2026 ■ पृष्ठ: 8+8=16 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव विकसित भारत की दहलीज पर आज रखेगा कदम

पीएम मोदी दमण में नमो एयरपोर्ट, नमो अस्पताल राष्ट्र को करेंगे समर्पित

■ 10 साल में छोटे से केंद्रशासित प्रदेश थ्रीडी में पीएम मोदी का आज 8वां दौरा : पीएम मोदी 2,970 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे ■ पिछले एक दशक में पीएम मोदी के सीधे मार्गदर्शन में प्रशासक प्रफुल पटेल ने केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव को विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है ■ आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दमण से ही केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए 885 करोड़ रुपये की बंदरगाह परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे ■ पीएम मोदी के दौरे को लेकर केंद्रशासित प्रदेश थ्रीडी वासियों में जोरदार उत्साह : पीएम मोदी के स्वागत के लिए दुल्हन की तरह सज गई दमण नगरी

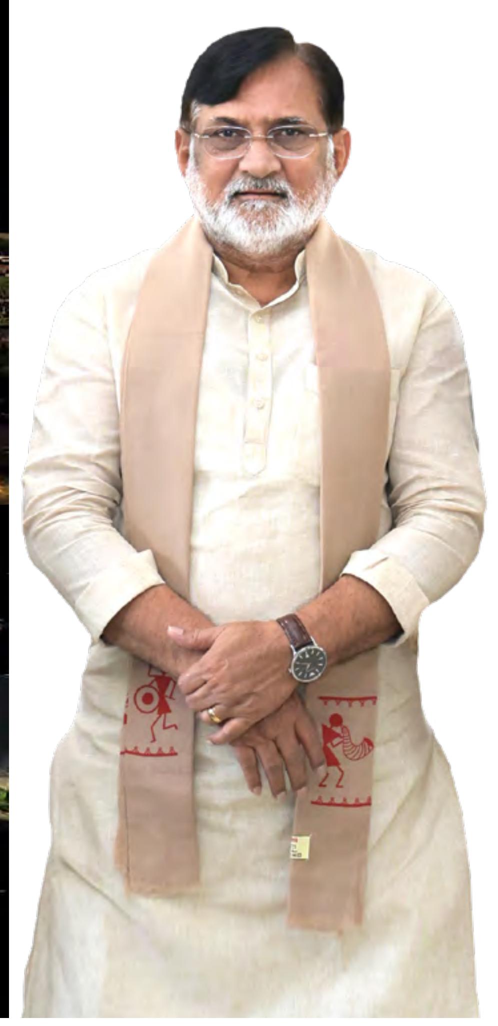

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दमण का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शाम लगभग 6:15 बजे दमण स्थित नमो हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दमण में स्थित नमो अस्पताल राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। फिर शाम लगभग 7:15 बजे प्रधानमंत्री दमण में लगभग 2,970 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, समर्पण और शिलान्यास करेंगे। दमण से ही पीएम मोदी केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए लगभग 885 करोड़ रुपये की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। नया भारत थीम पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी स्वामी विवेकानंद खेल मैदान नानी दमण में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल, जनप्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि, वरिष्ठ अधिकारी एवं हजारों नागरिक उपस्थित रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के लिए लगभग 2,970 करोड़ की लागत वाली 56 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य, नागरिक उड्डयन, पर्यटन, आधारभूत संरचना, संपर्क सुविधा तथा जनकल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं और केंद्रशासित प्रदेश के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जनता को नमो एयरपोर्ट एवं नमो हॉस्पिटल समर्पित करेंगे। साथ ही आइकॉनिक ब्रिज, दमण कन्वेंशन सेंटर तथा निफ्ट परिसर जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया जाएगा। ये परियोजनाएँ आधुनिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं, निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगी। नया नागरिक हवाई अड्डा क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी दमण में लगभग 1,340 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनमें नमो हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भवन और नमो अस्पताल शामिल हैं। नया हवाई अड्डा टर्मिनल क्षेत्रीय हवाई संपर्क को अत्यधिक सुदृढ़ करेगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देगा। दमण जिले का जिला अस्पताल नमो अस्पताल प्रतिदिन लगभग 1,500 ओपीडी रोगियों की देखभाल के लिए विकसित किया गया है। इससे लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिलेगी। प्रधानमंत्री लगभग 1,630 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। प्रमुख परियोजनाओं में आइकॉनिक ब्रिज, दमण कन्वेंशन सेंटर और दमण स्थित निफ्ट परिसर शामिल हैं। इन परियोजनाओं से आधुनिक बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। प्रधानमंत्री केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए लगभग 885 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इन परियोजनाओं में कलपेनी द्वीप और कदमत द्वीप दोनों के पूर्वी और पश्चिमी किनारों पर बंदरगाह सुविधाओं का विकास शामिल है। इन बहुउद्देशीय घाटों के विकास से 300 मीटर तक की लंबाई वाले क्रूज जहाजों सहित बड़े यात्री जहाजों के लिए साल भर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। ये परियोजनाएं यात्रियों और माल की सुरक्षित एवं कुशल आवाजाही को सक्षम बनाएंगी। साथ ही मछली प्रबंधन, ईंधन वितरण, बर्फ आपूर्ति और नाव मरम्मत के लिए एकीकृत सुविधाएं प्रदान करेंगी। ये पहल समुद्री कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेंगी, स्थानीय मछुआरों की आजीविका में सहायता करेंगी, पर्यटन को बढ़ावा देंगी और द्वीपों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देंगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में बीते एक दशक में केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव ने अभूतपूर्व विकास का अनुभव किया है। यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल विकास यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि नया भारत और विकसित केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव के सामूहिक संकल्प को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील करता है कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वागत करें तथा विकास और जनभागीदारी के इस महापर्व को सफल बनाएं।

पीएम मोदी ने दमण दौरे को लेकर एक्स पर किया पोस्ट

Narendra Modi
@narendramodi

In Daman, the key inaugurations include a new terminal building of the airport, which will improve connectivity. The Namo Hospital will cater to people's healthcare needs. The foundation stones for projects like the Daman Convention Centre and the NIFT Campus will be laid.

पीएम मोदी की स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित होने वाली जनसभा को लेकर दमण पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून। पीएम मोदी का 5 जून को दमण दौरा होने जा रहा है। इस दौरान पीएम मोदी की नानी दमण स्थित स्वामी विवेकानंद खेल मैदान में जनसभा होगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम जनता और आमंत्रित अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है। उपस्थित लोगों और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय लागू किए जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न तो आमंत्रित अतिथियों को और न ही आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा हो। इस कार्यक्रम की प्रकृति और इससे जुड़ी सुरक्षा एवं संरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दमण पुलिस विभाग की ओर से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें निम्नलिखित मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध (आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर) लगा दिया गया है। जिसमें मशाल चौक से भेसलर चार रास्ता तक, नानी बस स्टैंड से वापी स्टेशन रोड तक, कोस्टगार्ड एयर स्टेशन से मशाल चौक तक, मशाल चौक से तीन बत्ती तक, तीन बत्ती से मरवड तक, नमो पथ, छपलीशेरी (नाइट मार्केट के रास्ते) से धोबी तालाब तक शामिल है। आम जनता के लिए परामर्श दिया गया है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे 05 जून 2026 को कार्यक्रम समाप्त होने और वीवीआईपी (अति विशिष्ट व्यक्तियों) के प्रस्थान करने तक ऊपर बताए गए मार्गों का उपयोग करने से बचें। कृपया अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें। कृपया ड्यूटी पर तैनात कर्मियों द्वारा जारी किए गए सभी ट्रैफिक डायवर्जन और निर्देशों का सख्ती से पालन करें। ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की बहस न करें, वे वहां ट्रैफिक को नियंत्रित करने और किसी भी स्थिति में आम जनता की सहायता करने के लिए तैनात हैं। निर्धारित क्षेत्र के भीतर सडक के किनारे पार्किंग करना प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे ट्रैफिक जाम और व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृपया ट्रैफिक अधिकारियों के साथ सहयोग करें। यह परामर्श आम जनता के साथ-साथ परामर्श कार्यक्रम में भाग लेने वालों की जानकारी के लिए जारी किया गया है। कार्यक्रम स्थल तक उपस्थित लोगों को ले जाने वाले सभी वाहनों के लिए निम्नलिखित मार्ग निर्धारित किए गए हैं। दानह (दादरा और नगर हवेली) जिले से आने वाले यात्रियों के लिए मार्ग नरोली चेकपोस्ट की ओर आगे बढ़ें - भिलाड नेशनल हाईवे (बाएं मुड़ें) - करमबेली हाईवे ब्लू ब्रिज (एनएच के रास्ते) - मोहनगाम फाटक से बामनपूजा चेकपोस्ट से काचीगाम लेक (बाएं मुड़ें) - रिंगनवाड़ा जंक्शन (बाएं मुड़ें) - वड चौकी से (दाएं मुड़ें) - गेट 1, 2, और 3 के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर की ओर आगे बढ़ें और फिर भीमपोर की ओर बढ़ते रहें। डाभेल, अटियावाड, सोमनाथ, घेलवाड, रिंगनवाडा और वरकुंड क्षेत्रों के लिए मार्गः सोमनाथ जंक्शन से डीमार्ट के रास्ते - डेल्टीन के रास्ते से वड चौकी (बाएं मुड़ें), यात्रियों को गेट 1, 2, और 3 पर उतारें, फिर ट्रांसपोर्ट नगर, पार्किंग क्षेत्र, और भीमपोर में टॉर्च सर्कल की ओर आगे बढ़ें। काचीगाम, दमणवाड़ा, ढोलर, बामनपूजा, झरी, परियारी, पटलारा और मगरवाडा क्षेत्रों के लिए मार्गः सभी वाहन कचीगाम लेक की ओर आगे बढ़ें, रिंगनवाड़ा जंक्शन की ओर बाएं मुड़ें, डेल्टीन होटल वड चौकी जंक्शन (बाएं मुड़ें) - यात्रियों को गेट 1, 2, और 3 पर उतारें, फिर भीमपोर में सार्जेंट क्षेत्र (हुंडाई शोरूम के पास स्थित) की ओर बाएं मुड़ें। पातालिया, भीमपोर, मरवड, वांकड़, कडैया, देवका, और दलवाडा के लिए मार्गः इन क्षेत्रों से आने वाले सभी व्यक्तियों को अपने-अपने इलाकों से कोस्टल हाईवे की ओर बढ़ना चाहिए, भेंसरोल जंक्शन की ओर जाना चाहिए, और यात्रियों को गेट 2 और 3 पर–जो कोस्टल हाईवे पर वड चौकी के पास स्थित हैं– उतारने के बाद ढलान (डेल्टीन होटल के विपरीत) की ओर मुड़ना चाहिए। सभी आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वाहन कोली पटेल समाज हॉल में निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में पार्क करें। यह कार्यक्रम सभी आमंत्रित क्षेत्रों के आम लोगों के लिए खुला है, हालांकि, उपस्थित लोगों को केवल अपनी विशेष रूप से निर्धारित सीटों और क्षेत्रों में ही बैठना चाहिए। विभिन्न सामुदायिक संगठनों के स्वयंसेवकों और सदस्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे विभिन्न प्रवेश द्वारों पर तैनात स्थानीय पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करें। उपस्थित लोगों को सलाह दी जाती है कि सुरक्षा जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं के कारण होने वाली संभावित देरी से बचने के लिए वे काफी पहले पहुंच जाएं। आमंत्रित अतिथियों से अनुरोध है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग क्षेत्रों में ही पार्क करें। छोटे वाहनों या दोपहिया वाहनों से आने वालों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वाहन 'कोली पटेल समाज' पार्किंग सुविधा में पार्क करें। वीआईपी अतिथियों से अनुरोध है कि वे 16:30 बजे तक अपने निर्धारित निजी क्षेत्रों में अपनी सीटें ग्रहण कर लें, इस समय के बाद भी प्रवेश की अनुमति रहेगी। दमण पुलिस विभाग इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने तथा व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस कर्मियों की सहायता करने हेतु सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

पीएम मोदी के दमण दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने नमो पथ देवका समुद्र तट पर की साफ सफाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून। पीएम मोदी के दमण दौरे को लेकर आज संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा द्वारा नमो पथ देवका के नया भारत स्थित समुद्र तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के जनप्रतिनिधियों, महिला मोर्चा की बहनों तथा जिला एवं मंडल के कार्यकर्ताओं ने समुद्र तट एवं नमो पथ क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दमण आगमन को लेकर भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है तथा सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों को सुशोभित किया जा रहा है। आज के इस कार्यक्रम में दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण नगरपालिका अध्यक्षा दीपिका टंडेल, मरवड ग्राम पंचायत सरपंच रमेश (सोमा) पटेल, काउंसिलर सिंपल काटेला एवं रश्मि हलपति सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद लालू पटेल के मार्गदर्शन में तरूणा पटेल ने कचीगाम में जनसंवाद कर पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जनता को दिया आमंत्रण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून। दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल के मार्गदर्शन में उनकी धर्मपत्नी तरूणा पटेल ने कचीगाम विस्तार स्थित कंठेश्वर महादेव मंदिर परिसर में जनसंवाद आयोजित कर पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जनता को आमंत्रण दिया। इस अवसर पर तरूणा पटेल ने उपस्थित नागरिकों से कहा कि संघ प्रदेश थ्रीडी में पीएम मोदी का यह 8वां दौरा होने जा रहा है। पीएम मोदी दमणवासियों को कई सौगातें देने के लिए आ रहे है। ऐसे में हम सभी को बडी संख्या में पीएम मोदी का स्वागत एवं अभिवादन करने के लिए उपस्थित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कचीगाम के नागरिकों ने पीएम मोदी के स्वागत के लिए काफी उत्साह दिख रहा है। हम सभी लोग 5 जून को बडी संख्या में पहुंचकर पीएम मोदी का अभिवादन करेंगे। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता गौरांग पटेल, कचीगाम भाजपा मंडल प्रमुख मनीष पटेल, एडवोकेट बकुल देसाई सहित बडी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

डीएमसी वाइस प्रेसिडेंट मुकेश पटेल ने वॉर्ड नं.11 के नागरिकों को पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिया आमंत्रण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून। पीएम मोदी के 5 जून को दमण में हो रहे दौरे को लेकर नागरिकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। पीएम मोदी का स्वागत और अभिवादन करने के लिए नागरिक तैयार है। वहीं दमण के प्रत्येक जनप्रतिनिधि पीएम मोदी के कार्यक्रम में नागरिकों को बडी संख्या में शामिल होने के लिए निमंत्रण दे रहे है। इसी क्रम में डीएमसी वाइस प्रेसिडेंट एवं वॉर्ड नं.11 के काउंसिलर मुकेश पटेल ने अपने वॉर्ड वासियों को पीएम मोदी के कार्यक्रम में बडी संख्या में सहभागी बनने के लिए आमंत्रण दिया। इस अवसर पर उन्होंने वॉर्ड नं.11 के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश को कई सौगातें देने के लिए 5 जून को दमण दौरे पर आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रम में आप सभी बडी संख्या में उपस्थित रहकर पीएम मोदी का स्वागत एवं अभिवादन करें।

पीएम मोदी के दमण दौरे को लेकर परियारी पंचायत विस्तार में सफाई अभियान के साथ हुआ वृक्षारोपण

■ दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल के नेतृत्व में सरपंच भाविक हलपति एवं उनकी टीम ने प्रधानमंत्री के दौरे को यादगार बनाने और ग्रामीणों को प्रोत्साहित करने हेतु स्वच्छता अभियान के साथ 1100 नीम के पौधों का रोपण की शुरूआत कर परियारी को औषधीय ग्राम बनाने का लिया संकल्प

■ दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल और सरपंच भाविक हलपति एवं उनकी टीम तथा ग्रामीणों ने सफाई करने के साथ लगाये नीम के 251 पौधे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून।

दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल के नेतृत्व में परियारी सरपंच भाविक हलपति एवं उनकी टीम ने 4 जून 2026 को परियारी ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर और नीम वृक्षों का सामूहिक वृक्षारोपण कर परियारी गाँव को औषधीय ग्राम बनाने का संकल्प किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 5 जून के दमण दौरे को यादगार बनाने एवं परियारीवासियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रधानमंत्री जी के स्वागत एवं सभा कार्यक्रम में पहुंचने को प्रोत्साहित करने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल के साथ परियारी सरपंच भाविक हलपति तथा उनकी टीम ने परियारी पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में सडकों और सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई कर ग्रामीणों को 5 जून शाम 5 बजे स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स ग्राउण्ड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रस्तावित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रधानमंत्री जी का यादगार स्वागत करने का आमंत्रण दिया। इसी क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल की अगुवाई में सरपंच भाविक हलपति एवं उनकी टीम ने नीम के 251 पौधों का रोपण करते हुए नीम के 1100 पौधे लगा कर परियारी गाँव को औषधीय ग्राम बनाने का संकल्प किया। जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में 8 वें दौरे पर 5 जून को 2970 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात देने दमण आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हम प्रदेशवासियों को बडी संख्या में उपस्थित रहकर अभिनंदन करना है। सरपंच भाविक हलपति ने कहा कि हम सभी परियारीवासियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दौरे को लेकर खासा उत्साह है। हम परियारीवासी बड़ी तादाद में प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में पहुँचेंगे।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दमण जिला पंचायत उपप्रमुख रीना पटेल ने सोमनाथ विस्तार में नागरिकों को दिया निमंत्रण पत्र

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून।

5 जून को दमण में होने वाले पीएम मोदी के दौरे और जनसभा में बडी संख्या में नागरिकों को शामिल होने के लिए दमण जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल ने नागरिकों को निमंत्रण पत्र दिया। रीना पटेल ने सोमनाथ विस्तार में घर-घर जाकर और बाजार में व्यापारियों से रूबरू मिलकर पीएम मोदी के कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। इस अवसर पर रीना पटेल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विश्व के सर्वोच्च एवं लोकप्रिय नेता देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दमण में ऐतिहासिक दौरा होने जा रहा है। इस स्वर्णिम क्षण का हम सभी को बडी संख्या में उपस्थित रहकर साक्षी बनना है। व्यापारियों एवं नागरिकों ने पीएम मोदी के स्वागत के लिए अपनी उत्सुकता दिखाई।

તૃતીય વાર્ષિક પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. ધીરજલાલ દાના વાજા

જન્મ. તા. 24/11/1949 સ્વ. તા. 05/06/2023

સમય પસાર થાય છે. પરંતુ આપની યાદો આજે પણ અમારા હૃદયમાં જીવંત છે.

આપનું સમગ્ર જીવન સાદગી, કર્તવ્યનિષ્ઠા, સદાચાર અને માનવસેવાના ઉચ્ચ આદર્શોથી પરિપૂર્ણ રહ્યું હતું. આપ દ્વારા પ્રદાન કરવામાં આવેલા સંસ્કારો, જીવનમૂલ્યો અને માર્ગદર્શન આજે પણ અમારા જીવનમાં પ્રેરણારૂપ બની રહ્યા છે. આપની અમૂલ્ય સ્મૃતિઓ અમારા હૃદયમાં સદૈવ અવિસ્મરણીય રહેશે અને આપના આદર્શો અમને સતત સન્માર્ગે આગળ વધવા પ્રેરિત કરતા રહેશે.

આપના તૃતીય પુણ્યતિથિના દિવસે અમે પરમ કૃપાળુ પરમાત્માને પ્રાર્થના કરીએ છીએ કે આપના દિવંગત આત્માને ચિરશાંતિ તથા શ્રીચરણોમાં સ્થાન પ્રદાન કરે.

લિ.

ગં.સ્વ. રતનબાઈ ધીરજલાલ વાજા (ધર્મપત્ની)

ભરત ધીરજલાલ વાજા (પુત્ર) રંજના ભરત વાજા (પુત્રવધુ)
ચંદ્રહાસ ધીરજલાલ વાજા (પુત્ર) જયશ્રી ચંદ્રહાસ વાજા (પુત્રવધુ)
સામજી દાના સોલંકી (જમાઈ) દિવ્યા સામજી સોલંકી (પુત્રી)
રાજેન્દ્ર બાબુ સોલંકી (જમાઈ) હર્ષા રાજેન્દ્ર સોલંકી (પુત્રી)
જીતેન્દ્ર નારણ સોલંકી (જમાઈ) નીતા જીતેન્દ્ર સોલંકી (પુત્રી)

નિવાસસ્થાન: ઉષા નિવાસ, ગાંધીપરા, દીવ

(पेज 3 का शेष समाचार)

सेवा की तपस्या को मिला 'महाराष्ट्र रत्न' का सम्मान: प्रतिभाताई...

प्रतिभाताई का जीवन उसी मंत्र की साकार वीणा है। अरब सागर के तट पर बसे दमण-दीव से एक नारी का महाराष्ट्र रत्न से अलंकृत होना यह सिद्ध करता है कि सेवा की कोई सीमा नहीं होती, क्योंकि इसका कोई सरहद नहीं होती। सम्मान के स्वर्णिम क्षणों में प्रतिभाताई स्मार्ट ने कृतज्ञता के भाव से कहा यह रत्न मेरे शृंगार का नहीं, मेरे संकल्प का प्रतीक है। यह मेरा नहीं नाइटिंगल फाउंडेशन और जिजाऊ ब्रिगेड की उन समस्त नामी-अनामी रणरागिनियों का है, जिनके पसीने की बूंदों से समाज में आशा का सूर्योदय हुआ है। मैं राजमाता जिजाऊ सीड्स फाउंडेशन वापी तथा राष्ट्रसंत भगवान बाबा प्रतिष्ठान, पानस के चरणों में नत हूँ, जिन्होंने लोकनेते मुंडे साहेब के नाम से जुड़े इस पावन मंच से गौरवान्वित किया। यह सम्मान मेरी तपस्या को नहीं, मेरे दायित्व को बढ़ाता है।

CHANGE OF NAME

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM
KHUSHAL CHETANKUMAR SHAH
TO **NEW NAME KUSHAL SHAH**
ADD. RATNALEELA-2, PLOT NO. 38/1, NEAR
JAIN TEMPLE, VAPI SILVASSA ROAD, OPP
BANK OF BARODA, DADRA,
SILVASSA-396193, UT OF DNH&DD

प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने पीएम मोदी के आगमन को लेकर दमण शहरी विस्तार में चलाया स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण भी किया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 04 जून।

पीएम मोदी के 5 जून को दमण दौरे को लेकर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा दमण शहरी विस्तार में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही वृक्षारोपण किया गया था। प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इकबालभाई के नेतृत्व में डीएमसी वॉर्ड नं. 12 के रामश्याम सोसायटी और मोटी दमण के मदरसा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया और वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की महामंत्री तमन्ना मिठाणी, मोहम्मद अली, शोएब शेख, नरेंद्र सिंह, दमण जिला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष वसीम सैयद सहित बडी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन हमारे लिए गौरव का विषय, प्रेरणा का स्रोत और विकास के नए युग का संदेश है : एडवोकेट आर. वी. मेहता

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में पूर्ण हुए कई कार्यों का होगा लोकार्पण ■ प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की दूरदृष्टि और प्रशासक प्रफुल पटेल का इस क्षेत्र के प्रति समर्पण, इस स्वर्णिम संयोजन ने केंद्रशासित प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है : एडवोकेट आर. वी. मेहता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 04 जून। विकास, सुशासन, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के पर्याय, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक भारत माता के गौरव एवं 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं के केंद्र माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के हमारे प्रदेश में आज होने वाले आगमन पर हम सभी हृदय की गहराइयों से उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं। प्रधानमंत्रीजी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सशक्त पहचान स्थापित की है। देश ने विकास, सुरक्षा, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आज भारत केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि विश्व को दिशा देने वाला एक प्रभावशाली राष्ट्र बनकर उभरा है। केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण-दीव के विकास में भी माननीय प्रधानमंत्रीजी की विशेष प्रेरणा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आधुनिक सड़कें, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, पर्यटन, उद्योग एवं जनसुविधाओं के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों ने इस क्षेत्र को नई पहचान प्रदान की है। प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व और कड़े परिश्रम से प्रधानमंत्रीजी के 'विकसित भारत' के संकल्प को धरातल पर उतारने का जो कार्य पिछले सालों में हुआ है, वह आज प्रदेश की बदलती तस्वीर और बढ़ती संभावनाओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। प्रधानमंत्रीजी का यह आगमन केवल एक दौरा नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और भविष्य के नए संकल्पों का उत्सव है। यह हम सभी के लिए गर्व, प्रेरणा और सौभाग्य का क्षण है। हम सभी प्रदेशवासी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी का संघप्रदेश की इस पावन धरती पर एक बार फिर से हृदय से स्वागत करते हैं, अभिनंदन करते है, वंदन करते है तथा उनके स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की मंगलकामना करते हैं।

सेवा की तपस्या को मिला 'महाराष्ट्र रत्न' का सम्मान: प्रतिभाताई मनीष स्मार्ट को 'महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार 2026 से किया गया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 03 जून। लोकनेते जननायक स्वर्गस्थ गोपीनाथरावजी मुंडे साहेब की पुण्यस्मृति के पावन दिवस पर सेवा की साधना को जब सम्मान का अर्घ्य मिला, तो दमण-दीव की धरती कृतकृत्य हो उठी। दमण-दीव के नाइटिंगल फाउंडेशन की अध्यक्षा एवं जिजाऊ ब्रिगेड की महासचिव शिवमति प्रतिभाताई मनीष स्मार्ट को नारी-शक्ति के उत्थान आर्थिक स्वावलंबन के यज्ञ एवं निष्काम समाज-सेवा की ज्योति प्रज्वलित करने हेतु महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। राजमाता जिजाऊ के शौर्य और राष्ट्रसंत भगवान बाबा की करुणा के संगम-स्वरूप राजमाता जिजाऊ सीड्स फाउंडेशन, वापी तथा राष्ट्रसंत भगवान बाबा प्रतिष्ठान, पानस, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार 3 जून 2026 की संध्या उपासना इंग्लिश मीडियम स्कूल के सभागृह, गुंजन, वापी में आयोजित इस गरिमामय समारोह में यह सम्मान समर्पित किया गया। चयन समिति ने अपने उद्गार में कहा कि प्रतिभाताई के नेतृत्व में दमण-दीव की पुण्यभूमि पर बहती सेवा की गंगा ने अनेको महिलाओं को प्रेरित किया हैं। उनकी अविरत तपस्या को समिति ने युग-परिवर्तनकारी सामाजिक हस्तक्षेप की संज्ञा दी। इस पावन अवसर पर आयोजक संस्था के अध्यक्ष ने भाव-विभोर होकर कहा लोकनेते मुंडे साहेब का मंत्र था, बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय।

(समाचार का शेष पेज 2 पर)

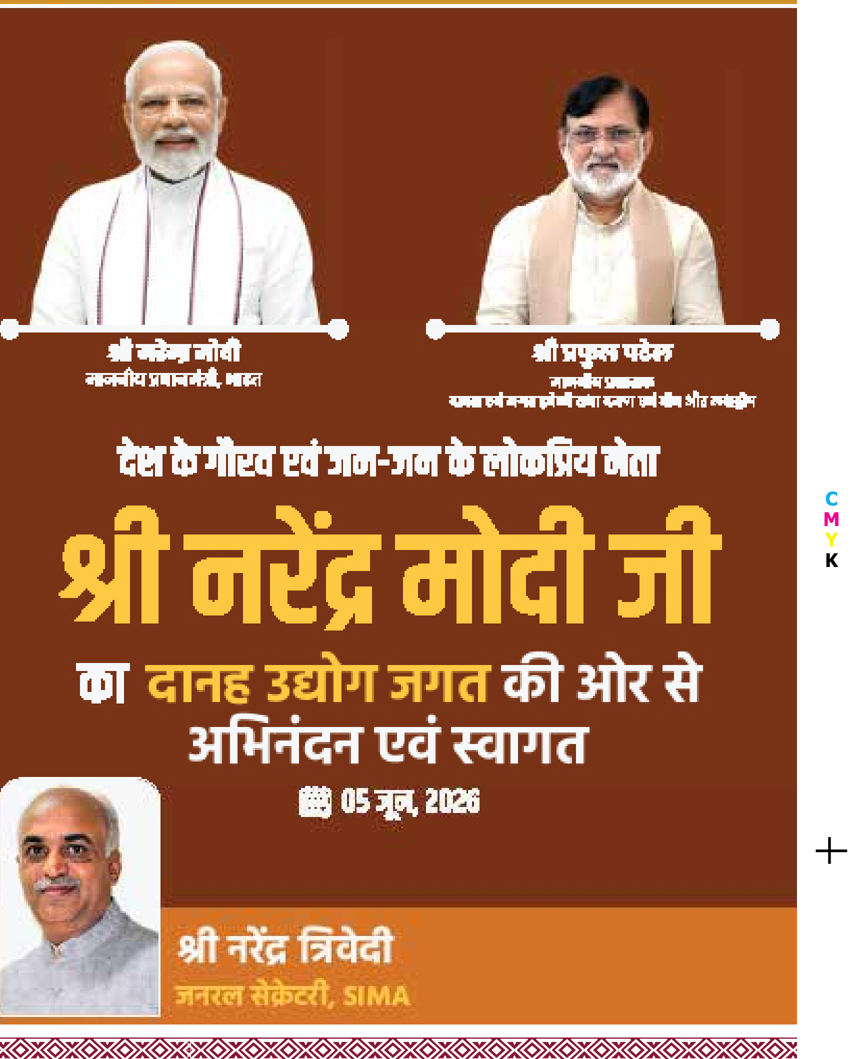

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पाँच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्लप्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्व (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया?

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीखः यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

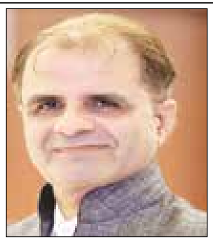

किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

फ्रेंच ओपन: अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का उमरकुई पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का अथाल पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का कराड पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का गलोंडा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का रांधा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का सामरवरणी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का सायली पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का वासोणा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दपाडा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का खानवेल पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का मसाट पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का मसाट 1 पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

'डॉन 3' विवाद के बीच रणवीर ने फरहान को दिया साथ काम करने का ऑफर

रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर के साथ अपने 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इस विवाद के चलते ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। लेकिन अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर से अपने संबंध सुधारने के लिए संपर्क किया है। यही नहीं उन्होंने फरहान के साथ काम करने की इच्छा भी जताई है।

रणवीर ने दिया साथ काम करने का प्रस्ताव

एक रिपोर्ट के अनुसार, विवाद को सुलझाने के लिए रणवीर ने फरहान से बात की और भविष्य में किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई। हालांकि, फिलहाल न तो फरहान और न ही उनकी बहन जोया अख्तर रणवीर के साथ काम करने में रुचि रखते हैं। एक सूत्र ने बताया, 'रणवीर ने फरहान और रणवीर द्वारा आपसी सहमति से चुनी गई एक और फिल्म का प्रस्ताव रखा। रणवीर ने फरहान की बहन जोया अख्तर के साथ भी फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, जिनके साथ उन्होंने पहले गली बॉय में काम किया है। यह प्रस्ताव फरहान और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी दोनों को दिया गया था, लेकिन दोनों ने तुरंत इसे ठुकरा दिया।'

सलमान खान ने भी किया मामले को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप

करीबी सूत्र ने यह भी दावा किया कि न तो फरहान और न ही जोया रणवीर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। यह खबर उस दिन के एक दिन बाद आई है जब यह पता चला था कि सलमान खान ने भी रणवीर और फरहान की सुलह कराने का प्रयास किया है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने हाल ही में दोनों पक्षों से बात की और उनसे शांति से अपने मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।

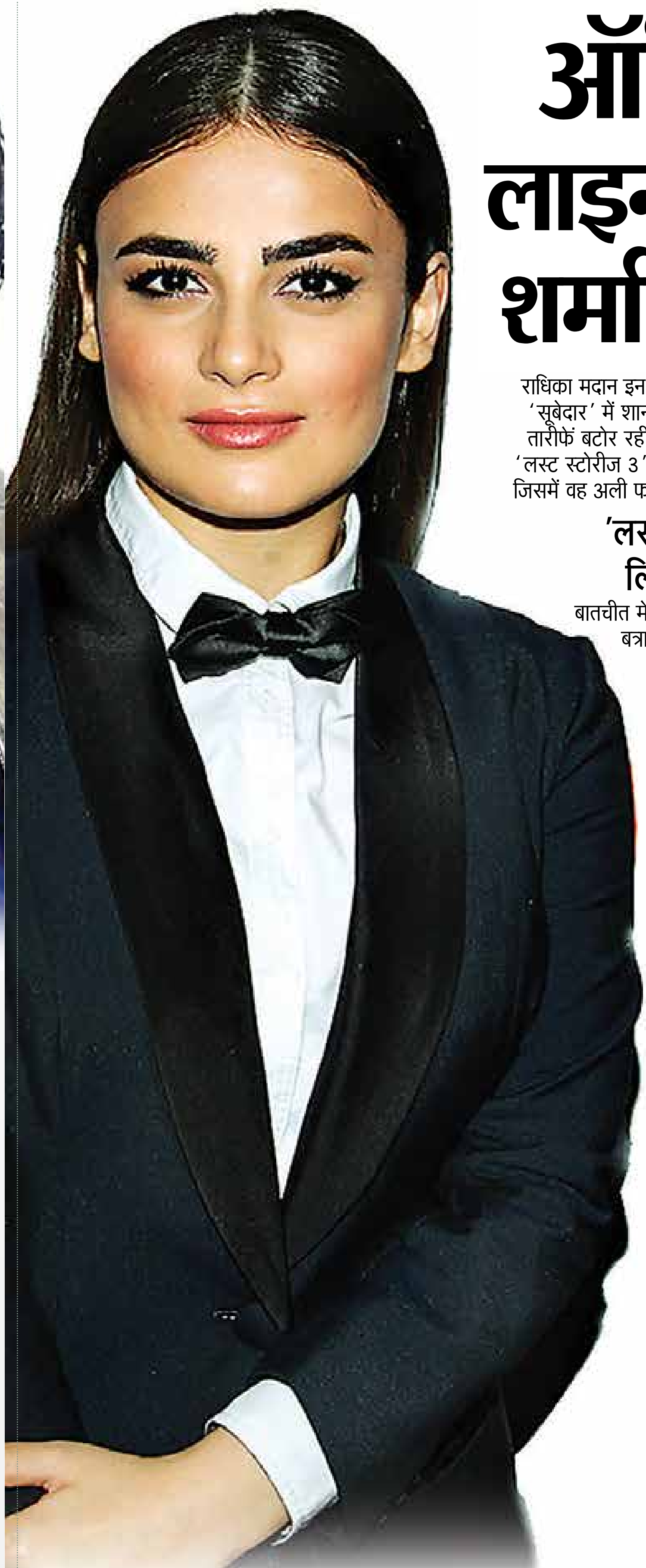

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

विक्रम की फिल्म में फैशन फोटोग्राफर बनीं सैयामी खेर

सैयामी खेर की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम फडणिस कर रहे हैं। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सामने आए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। जारी लुक में सैयामी प्रोफेशनल कैमरा थामे नजर आ रही हैं। फिल्म में वह एक फैशन फोटोग्राफर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। सैयामी ने फिल्म को लेकर कहा कि जैसे ही विक्रम ने उन्हें कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके जैसे कलाकारों को अक्सर इतने मजबूत और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिल रही हैं। फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए। समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

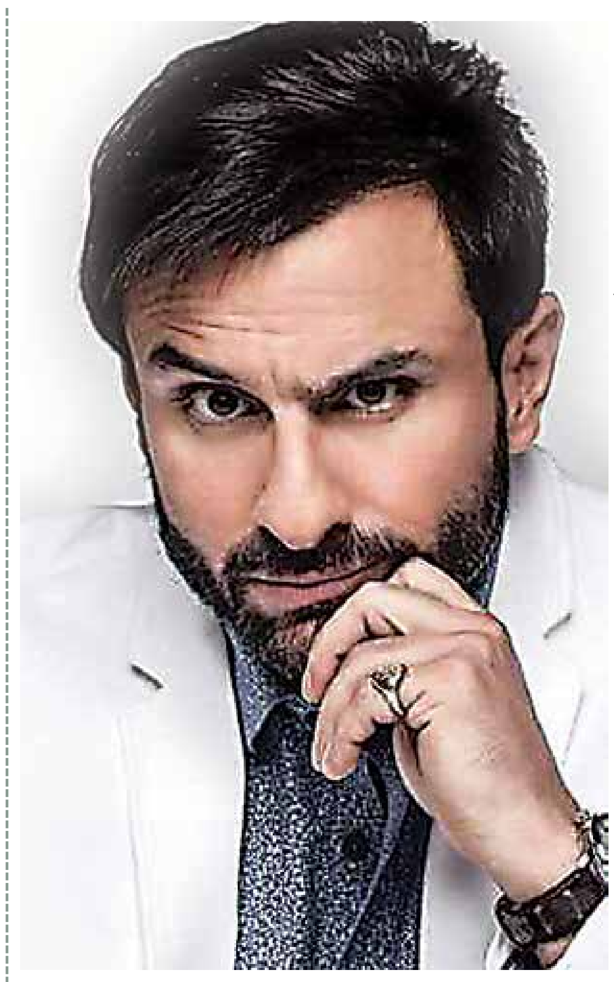

अभिनेता के रूप में हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करता हूं

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।' इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है। इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।' उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, ' उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं

पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

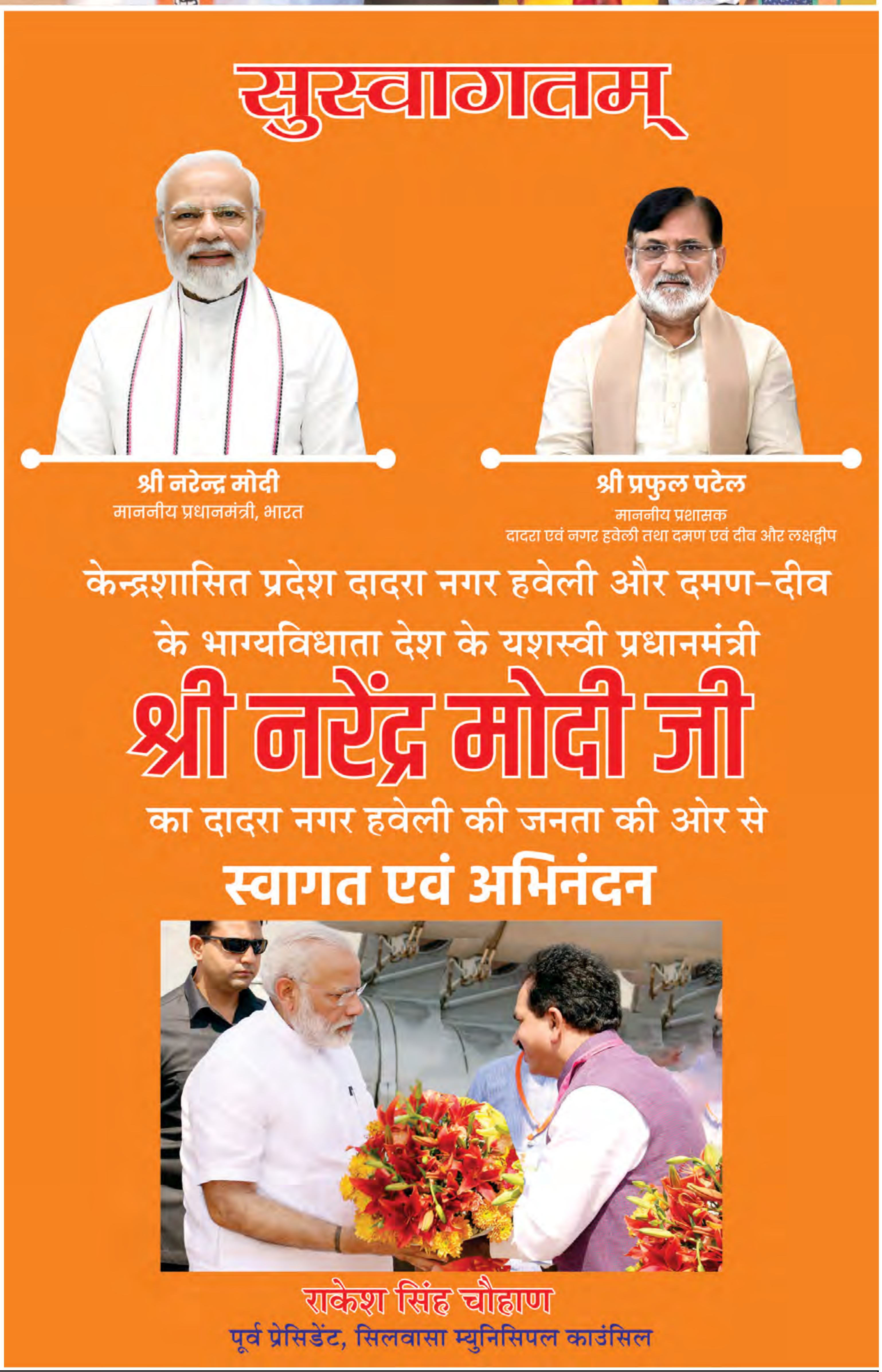

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)

मानानीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दमण यात्रा पर विशेषांक

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
असली आज़ादी

शुक्रवार 05, जून 2026, दमण।

U T ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

Welcomes

SHRI NARENDRA MODI

HON'BLE PRIME MINISTER

to

the UT of Dadra and Nagar Haveli & Daman and Diu

on

- Friday, 5th June, 2026
- 05:00 PM Onwards
- Swami Vivekananda Sports Ground, Daman

INAUGURATION & FOUNDATION LAYING OF 56 PROJECTS WORTH ₹ 2,970 CRORE

नया भारत

सुस्वागतम्

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

दमण को विकास की नई ऊंचाईयों पर ले जाने वाले

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का दमण की भूमि पर हम हार्दिक स्वागत एवं अभिवादन करते हैं

- व्यापारी संघ दमण -

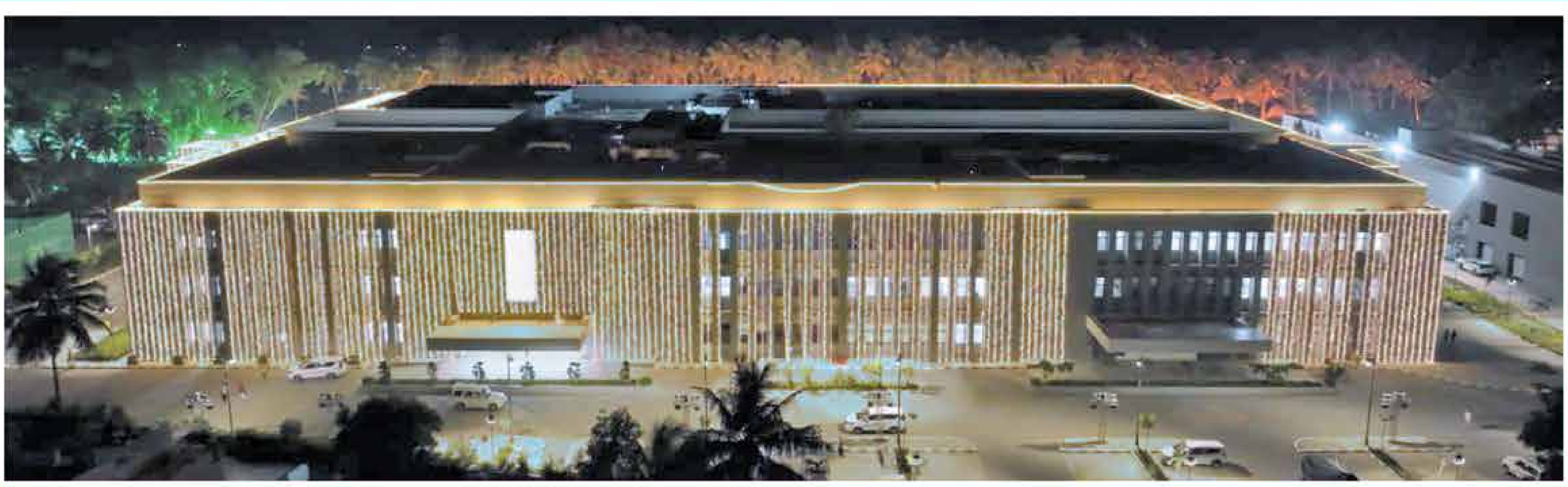

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का घेलवाड पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का कचीगाम पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दाभेल पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का भेंसलोर पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दुनेठा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का भीमपोर पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का कडैया पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का आंटीयावाड पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दमणवाड़ा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का मरवड़ पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का सोमनाथ पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का रिंगनवाड़ा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

नया भारत

सुस्वागतम्

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में 2970 करोड रूपये की 56 परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के लिए दमण की धरती पर पधार रहे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का दमण का सर्व समाज हार्दिक स्वागत करता है।

सुस्वागतम्

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

दमण के पर्यटन को ऊंची उड़ान दिलाने के लिए देश के

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का दमण की धरती पर हार्दिक स्वागत एवं अभिवादन करते हैं...

- दमण होटेलियर एसोसिएशन -

नया भारत
स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का मगरवाड़ा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

नया भारत
स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का वरकुंड पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

नया भारत
स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का परियारी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

नया भारत
स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का पटलारा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक

DAMAN INDUSTRIES ASSOCIATION
WELCOMES
SHRI NARENDRA MODI
HON'BLE PRIME MINISTER
TO
THE UT OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
LAND OF A UNIQUE MIX OF DIFFERENT CULTURES
SHRI PRAFUL PATEL
HON'BLE ADMINISTRATOR OF
DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
SHRI NARENDRA MODI
HON'BLE PRIME MINISTER
Mr. Pawan Agrawal
President
Daman Industries Association
Mr. Harish PAtel
Secretary
Daman Industries Association

dadra & nagar haveli daman & diu
DAMAN MUNICIPAL COUNCIL
नया भारत
स्वागतम् श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री का सादर
अभिनंदन एवं स्वागत करता है

नया भारत

सुस्वागतम्

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

दमण को औद्योगिक विकास की बुलंदियों पर पहुंचाने वाले

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का औद्योगिक नगरी दमण की भूमि पर हम हार्दिक स्वागत एवं अभिवादन करते हैं

– दमण उद्योगजगत –

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दादरा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का आंबोली पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का दुधनी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का देमनी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का कौंचा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का खरड़पाडा पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का खेरडी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का किलवणी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का नरोली पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का रखोली पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का रूदाना पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

स्वागतम्
देश के गौरव एवं जन-जन के लोकप्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का सुरंगी पंचायत
अभिनंदन एवं स्वागत करती है।
श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप